राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान,पंचकूला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 31 दिसंबर, 2021 को आयोजित बैठक से संबंधित **मिनिट्स ऑफ मीटिंग** का प्रकाशन किया गया, जिसमें संरक्षित क्षेत्रों और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में सीमा चौकियों एवं आयुर्वेद संस्थान सहित कई परियोजनाओं को मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- **पंचकूला स्थित श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड परिसर में 5 करोड़ रुपए की लागत से 8.04 हेक्टेयर क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान** का निर्माण किया जाएगा।
- औषधीय पौधों के संरक्षण के लिये आयुष मंत्रालय द्वारा पंचकूला में स्थापित किया जा रहा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान न केवल औषधीय पौधों के संरक्षण में, बल्कि जनता को प्रकृति की सुरक्षा से जोड़ने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- **आयुर्वेद एक भारतीय चिकित्सा प्रणाली** है। **सुश्रुत, चरक और धन्वंतरि इसके प्रमुख आचार्य** माने जाते हैं। इसे **अथर्ववेद का एक उपवेद** माना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-institute-of-ayurveda-panchkula